**माध्यस्थम अधिनियम, १९४० की धारा ११ के अधीन आवेदनपत्र**

वाद सं. ............................... सन् ...................................

माध्यस्थम अधिनियम, 1996 के मामले में

तथा

माध्यस्थम करार, दिनांकित ..........................................

के बीच

**अबक**  ........ याची

(नाम, वर्णन, तथा निवास स्थान)

बनाम

**कखग**  ......... प्रत्यर्थ

(नाम, वर्णन, तथा निवास स्थान)

**ऊपर नामित किया गया याची अतिसादर पूर्वक प्रदर्शित करता है -**

1. यह कि एक करार दिनांकित .................. याची तथा प्रत्यर्थी के बीच हुआ और यह करार किया गया कि की गयी संविदा की बाबत पैदा होने वाले मतभेद की दशा में, दोनों पक्षकारों के बीच विवाद माध्यस्थम को निर्देशित किया जाने योग्य होगा।
2. यह कि कथित माध्यस्थम करार दिनांकित ................. की एक प्रतिलिपि इसके साथ उपाबद्ध कर दी जाती है और उपाबन्ध .................. के रूप में चिन्हांकित की जाती है।
3. यह कि समय के अन्दर विवादित संकर्म के पूरा कर दिया जाने पर प्रत्यर्थी ने संदाय नहीं किया।
4. यह कि याची मध्यस्थ की नियुक्ति करने हेतु प्रत्यर्थी से निवेदन किया लेकिन प्रत्यर्थी ने किसी मध्यस्थ की नहीं नियुक्ति की और .................. रुपये का संदाय करने का एक विवाद उत्पन्न हुआ।

**प्रार्थना**

अतएव, यह प्रार्थना की जाती है कि स्वतंत्र मध्यस्थ मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा नियुक्त किया जाय। यह तद्नुसार प्रार्थना की जाती है।

आवेदक जरिये अधिवक्ता

स्थान :

तारीख :

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

**अबक**  ........ याची

बनाम

**कखग**  ......... प्रत्यर्थी

शपथपत्र

में ............................................ निवासी ................ निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम घोषणा करता हूँ -

1. यह कि मैं इस मामले में ................. हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने के लिए सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तुएं सत्य एवम् सही है।

शपथकर्ता

**सत्यापन**

में.................................................. तारीख ................................को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तुएं मेरी जानकारी में सत्य एवम् सहीं है।

शपथकर्ता